RAJYA SABHA

Friday, the 4th May, 1990/the 14th Vaisakha, 1912 (Saka)

The House met at eleven of the clock, **Mr. Chairman** in the Chair.

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

सम्राट बाइसिकिल्स सुलतानपुर, उत्तर प्रदेश को गैर कानूनी तरीके से बंद किया जाना

*61. **श्री राज मोहन गांधी** : क्या श्रम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सुलतानपुर, उत्तर प्रदेश में सम्राट बाइसिकल्स को गैर-कानूनी तरीके से बंद किए जाने के परिणामस्वरूप बेरोजगार हुए कर्मकारों को पेश आ रही कठिनाइयों के संबंध में श्रम मन्त्रालय को कोई अभ्यावेदन दिये गये हैं;

(ख) यदि हां, तो कर्मकारों को राहत प्रदान करने के लिए क्या कार्यवाही की गई है, और

(ग) संबंधित कानूनों का उल्लंघन करने के लिए मालिकों पर मुकदमा चलाये जाने हेतु क्या कार्यवाही की गई है ?

श्रम एवं कल्याण मंत्री (श्री राम विलास पासवान) : (क) से (ग) एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

विवरण

सम्राट बाइसिकल्स कर्मचारी संघ की ओर से किए गए अभ्यावेदन की एक प्रति सम्राट बाइसिकल्स लि, सुलतानपुर, उत्तर प्रदेश में प्राप्त हुई है जो प्रबन्धतंत्र द्वारा नवम्बर, 1989 से कर्मकारों को मजदूरी की अदायगी न करने और यूनिट में उत्पादन आस्थगित करने के बारे में है।

उत्तर प्रदेश राज्य सरकार के अनुसार इस मामले में समुचित सरकार है, दिसम्बर, 1989 और जनवरी, 1990 माह के लिए मजदूरी के बारे में वसूली प्रमाणपत्र पहले ही जारी किए जा चुके है। बाद के महीनों के लिए भी प्रबन्धतंत्र को कारण बताओ नोटिस भी जारी किए गए हैं।

राज्य सरकार ने यह भी सूचित किया है कि इस मसले का समाधान करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। प्रबन्धतंत्र के खिलाफ अभी तक कोई मुकदमा नहीं चलाया गया है।

श्री राज मोहन गांधी : सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से यह कहना चाहता हूं कि यहां छः साल की दुखद बदमाशी चल रही है। सम्राट बाइसिकल कम्पनी छः साल में अमेठी लोक सभा संसदीय क्षेत्र में एक गौरीगंज नाम का शहर है उसके पास यह साइकिल फैक्ट्री खड़ी हुई है और इस फैक्ट्री को जब खड़ा किया गया था तो यह बतलाया गया था कि यह साइकिल बनाएगी दुनिया की सबसे अच्छी क्वालिटी की एक्सपोर्ट के लिए। छः साल में इसने कुछ साइकिलें जरूर बनाई हैं, लेकिन बतलाया जाता है कि साइकिलें अन्डर इंवाइस करके बेची थी और विदेशो में पैसा बनाया गया था। इस फैक्ट्री के मालिक दिल्ली में रहते हैं, जैन बन्धु हैं दो तीन, पूरा नाम उनका मुझे याद नहीं है... (**व्यवधान**)। इसी प्रकार इन की चार-पांच फैक्ट्रियों देश के अन्य भागों में भी लगी हुई हैं। हैदराबाद में फेडरल स्पोर्टस नाम से है, नोएडा में सम्राट ट्रांसमिशन है, गाजियाबाद में मोनार्क है और इसी प्रकार से साहिबाबाद में भी है। सब जगह यही हालत है। बतलाया जाता है कि कुछ ही मशीनें हैं जो एक फैक्ट्री से चोरी छिपे दूसरी फक्ट्री में ले ढाई जाती है। उन मशीनों के आधार पर फाइनेंशियल इंस्टिट्यूशन्स से ऋण लिया जाता है, पैसा लिया जाता है। इस प्रकार से करोड़ों रुपया खर्च किया गया है। लेकिन पिछले छः महीनों से यहां के जो मजदूर है, सम्राट बाइसिकल के मजदूर हैं, उनको एक रुपया भी तनख्वाह का नहीं मिला है। कानून के आधार पर कोई

कायवाही नहीं हुई है । फैक्ट्री बंद होने की घोषणा भी नहीं हुई है, रिट्रेन्चमेंट भी नहीं हुआ है । मंत्री जी ने जो स्टेटमेंट टेबल पर रखा है उसमें बताया गया है कि उत्तर प्रदेश की जो एप्रोप्रिएट गवर्नमेंट है उसने रिकवरी का सर्टिफिकेट जारी किया है कि दिसम्बर और जनवरी की तनख्वाह वसूल की जाय । मुझे जानकारी है कि इन मालिकों की दिल्ली में काफी सम्पत्ति है और मुझे यह भी जानकारी है कि दिल्ली के कलेक्टर को वसूली का सर्टिफिकेट भेजा गया है। इसलिए क्या मंत्री महोदय इस बात का आश्वासन देंगे कि वे वसूली करवाने में मदद करेंगे और जल्दी से जल्दी पैसा वसूल करके मजदूरों को देंगे ? दूसरी बात यह है कि देश में जो अन्य फैक्ट्रियां इन मालिकों की हैं जहां इसी प्रकार का काम चल रहा है, वहां भी लोगों को मदद के देने की भरपूर कोशिश करेंगे और संबंधित स्टेट गवर्नमेंट को निर्देश देंगे कि जितना हो सके मजदूरों के लिए काम करें, क्या यह आश्वासन सरकार देंगी ?

श्री राम विलास पासवान : सभापति जी, यह बात सही है कि सम्राट बाइसिकिल 1984 में स्थापित की गई थी और 5 अप्रैल को माननीय संसद सदस्य श्री राज मोहन गांधी मुझ से मिले थे और उन्होंने एक मेमोरेंडम मुझ को दिया था जो वहां की मजदूर यूनियन की तरफ से था और जिसमें उन्होंने आरोप लगाये थे... .

श्री राजमोहन गांधी : राजीव गांधी नहीं, राज मोहन गांधी । आपने राजीव गांधी कहा । ... (**व्यवधान**)...

श्री रामविलास पासवान : राजीव गांधी नहीं, राज मोहन गांधी.... (व्यवधान)... लेकिन मिलना चाहिये था राजीव गांधी को ही क्योंकि यह अमेठी का मामला था ।

राज मोहन गांधी जी मुझ से मिले और उन्होंने वहां की मजदूरों की, वरकर्स की यूनियन का एक आवेदन-पत्र भी दिया था जिसमें यह चार्ज लगाया गया था कि दिसम्बर, 1989 में उनको वेतन नहीं मिला है और फैक्टरी को बंद करके उसके मालिक चले गये हैं। इस संबंध में मैंने तुरंत 5 तारीख को ही आर्डर दे दिया था । वहां से जो इसका जवाब मुझे को मिला वह 17 अप्रैल को मिला । मुख्य श्रमायुक्त, चीफ लेबर कमिश्नर की तरफ से स्टेट गवर्नमेंट को लिखा गया था । स्टट गवनमेंट ने मुझ को बतलाया कि 40 करोड़ रुपये की सम्पत्ति, जो विभिन्न वित्तीय संस्थाओं से उन्होंने ली है, उसका पैसा भी उनके ऊपर बकाया है और मजदूरों को दिसम्बर 1989 से पैसा भी नहीं मिल पाया है। उसके बाद फिर चीफ सेक्रेटरी को हमारे मंत्रालय द्वारा लिखा गया है। चीफ लेबर कमश्निर ने जब लिखा है उसके संबंध में दो बार जवाब आ चुका है लेकिन... .

श्री सभापति : दिल्ली में जो उनकी जायदाद है उसके संबंध में आप बता दें ।

श्री रामविलास पासवान : दोनों सवाल उन्होंने किये हैं ।

राज्य सरकार को हमने हिदायत दी है और उनको पत्र लिखा है कि वह इस संबंध में जो भी कार्यवाही हो, चाहे वह लेगर ला के अन्तर्गत हो या क्रिमिनल ऐक्ट के अन्तर्गत हो, यह क्रिमिनल एक्ट के अन्तर्गत भी मामला बनता है क्योंकि यह ब्रीच आफ ट्रस्ट का मामला भी है, उनके खिलाफ कार्यवाही की जाय । जैसा कि माननीय सदस्य ने कहा है देश के विभिन्न भागों में भी उन्होंने फैक्टरियां लगा रखी हैं तो हम इसकी भी जांच करवायेंगे । इनके खिलाफ ब्लैक मेल का भी मामला बनता है । वह जो स्टील लेते हैं, आरोप है कि उसको वे ब्लैक से बेचने का काम करते हैं । इस संबंध में भी मैंने राज्य सरकार को लिखा है । एक्सप्लोसिव का भी मामला है । वहां 20 टन से ज्यादा गैस सिलडर रख हुए हैं । इस संबंध में हमने राज्य सरकार को लिखा है कि

कल कोई दुर्घटना न घटे इसलिये वहां जाकर इसकी जांच करें और इस संबंध में आवश्यक कार्यवाही करें।

श्री सभापति: उनका प्रश्न आपने छोड़ दिया। दिल्ली में जो उनकी प्रापर्टी है उस पर सेंट्रल गवर्नमेंट का अधिकार है, उस पर आप क्या कार्यवाही कर रहे हैं?

श्री राम विलास पासवान: कार्यवाही करेंगे। हम इस संबंध में जांच करवा कर कार्यवाही करेंगे।

श्री राज मोहन गांधी: आपने राजीव गांधी का नाम लिया, अच्छा किया। कितना बढ़िया होता अगर राजीव गांधी जी...

श्री सभापति: आप सवाल कीजिये। अब आप कहां उलझ गये?

श्री राज मोहन गांधी: मैं कहना चाहता हूं कि बहुत अच्छा होता यदि राजीव गांधी स्वयं आपके सामने इस को रखते क्योंकि यह उन्हीं का क्षेत्र है।

मेरा मंत्री महोदय से जो सवाल था ...(**व्यवधान**)...वह सवाल यह था कि उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से दिल्ली के कलेक्टर के नाम पर वसूली करने के कागजात आये हैं। दिल्ली में उन बन्धुओं की सम्पत्ति है तो क्या इस वसूली को करने के लिये आप अपना पूरा सहयोग देंगे, यह मेरा सवाल है?

श्री राम विलास पासवान: इसके लिये सहयोग ही नहीं देंगे बल्कि इस दिशा में जितनी दूर तक हो सकेगा हम कदम भी उठायेंगे।

श्री माखन लाल फोतेदार: कितनी दूर तक हो सकता है?

श्री राम विलास पासवान: जितनी दूर तक आप इजाजत देंगे।

श्री सभापति: जवाब दे दिया आपने?

श्री रामविलास पासवान: दे दिया।

श्रीमती कमला सिन्हा: मैं भी एक सवाल पूछना चाहती हूं।

श्री सभापति: ऐसे नहीं, जब मैं पुकारूं तब आप खड़ी हों।

SHRI SUKOMAL SEN: Sir, this is yet another case of closure of a factory and throwing a large number of people, out of jobs. Sir, our Government is committed to include "the right to work" in the Fundamental Rights Chapter of the Constitution. It is bad that on the one side, the intertion is to guarantee a job to everybody and on the other, people are thrown out who are already in jobs. Sir, in the country not only this factory but several hundreds and thousands of factories are being closed down. May I know from the Minister whether the Government have taken any active steps to stop closure of these factories by legislation and other measures and to reopen those factories which have already been closed?

श्री राम विलास पासवान: सभापति महोदय, जहां तक माननीय सदस्य को मालूम है कि आज लगभग ढाई लाख फैक्टरीज देश में बन्द पड़ी हुई हैं, लेकिन जहां तक सरकार का मामला है जो राज्य सरकारें होती हैं वह सक्षम सरकारें होती हैं और उनको ही बहुत सारे अधिकार प्राप्त हैं कि यदि कोई भी फैक्टरी बन्द कर दे, लाक आऊट कर दे, ताला-बन्दी कर दे तो उसके खिलाफ क्या क्या कार्यवाही की जा सकती है। उसकी सम्पत्ति को जब्त किया जा सकता है, उनको जेल भेजा जा सकता है, जुर्माना भी हो सकता है। भारत सरकार इस सम्बन्ध में सिर्फ राज्य सरकारों से कह सकते हैं, लिख सकते हैं, लेकिन अन्ततोगत्वा कार्यवाही राज्य सरकारों को

हो करना है। एक औद्योगिक विवाद अधिनियम था उसमें अभी हमने रामानुजम की अध्यक्षता में एक कमेटी बनाई है। पुराने बिल को जहां तक वापस लेने का सवाल है, वापस लिया जाएगा और नया बिल पुरःस्थापित करने का जहां तक प्रश्न है निश्चित रूप से हम उस बिल में यह कोशिश करेंगे कि इस तरह से जबरदस्ती जो लाक-आऊट कर दिया जाता है, मजदूरों को काम पर आने से रोक दिया जाता है, उस में कड़ी से कड़ी कार्यवाही करने का विधान हो।

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया: सभापति महोदय, आपने मुझे जो सवाल पूछने की इजाज़त दी है इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। मैं इस का थोड़ा सा सदुपयोग करूंगा कि उप प्रधानमंत्री, चौधरी देवी लाल अभी अभी चीन की यात्रा कर के आए हैं। वह कहीं अपना बयान तो दें कि चीन में गांव में रह कर आए हैं वहां की सुख शान्ति और सद्भावना देख कर आए हैं, उसका स्टेटमेंट तो दे **(व्यवधान)**

श्री सभापति: आप अपना सवाल पूछिये **(व्यवधान)**

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया: मैं सवाल पर आ रहा हूं। यह तो चिल्ला रहे हैं। बात सुनने नहीं देते हैं। मैंने पहले ही कहा कि जो आपने इजाज़त दी है उसका सदुपयोग करते हुए मैं **(व्यवधान)**

श्री सभापति: आप सदुपयोग इस तरह से नहीं कर सकते हैं। सप्लीमेंटरी का सदुपयोग यह नहीं है कि आप गैर जरूरी सवाल यहां उठायें **(व्यवधान)**

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Sir, the time of the House is wasted like this every day. *(Interruption)*.

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया: सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से मन्त्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि 6 महीने हुए सम्राट बाइसिकल्स ने अपने मजदूरों को तनख्वाह नहीं दी। नवम्बर, 1989 से जनवरी, 1990 तक की तनख्वाह नहीं मिली है। उसके लिए इन्होंने उसकी प्रापर्टी को अटैच करने और रिकवरी करने के लिए नोटिस दिया और कलक्टर को सम्मन भेजे, सब कुछ भेजा। मैं मंत्री महोदय से आपके माध्यम से पूछना चाहूंगा कि इस मुल्क में जितने कारखाने बन्द पड़े हुए हैं क्या प्रायटीवाइज वहां पर भी इसी तरह का ऐक्शन लेने जा रहे हैं या सिर्फ़ राज मोहन गांधी के प्रेशर पर एक व्यक्ति के खिलाफ़ यह ऐक्शन हो रहा है। अगर यह मजदूरों के हक की बात है **(व्यवधान)**

श्री अटल बिहारी वाजपेयी: सभापति महोदय, मेरी व्यवस्था का सवाल है। **(व्यवधान)**

क्या मैम्बर सवाल नहीं करेगा? **(व्यवधान)**

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया: उन्होंने कहा है कि राज मोहन गांधी ने मेमोरेंडम दिया था। **(व्यवधान)** मंत्री महोदय ने खुद स्वीकार किया है राज मोहन गांधी मेमोरेंडम लेकर मिले थे **(व्यवधान)**

श्री सभापति: आपका सवाल क्या है? आपको सवाल पूछना हो तो पूछिये **(व्यवधान)**

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया: जवाब तो अटल बिहारी वाजपेयी देने लगते हैं। मैंने तो उनसे सवाल नहीं किया है।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी: राज मोहन गांधी कहां से आ गये?

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया: मंत्री महोदय ने यह कहा है या नहीं कहा है, आप उनसे पूछिये। आप बाद में आए हैं।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी: मन्त्री महोदय ने इसलिए कहा कि मन्त्री महोदय से उन्होंने सवाल पूछा है आपका राज मोहन गांधी से क्या मतलब था।

श्री सुरेन्द्र जीत सिंह अहलुवालिया : मेमोरेंडम दिया था, उन से पूछिये **(व्यवधान)**

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : यह तो सदस्य पर आक्षेप लगा रहे हैं **(व्यवधान)**

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: Who is the Chairman—Mr. Vajpayee or you?

SHRI VITHALRAO MADHAVRAO JADHAV: The Hon. Member is putting a question to the Minister. *(Interruption)*.

डा० अबरार अहमद खान: जवाब देने के बाद तो वह सदन की प्रापर्टी हो जाती है। **(व्यवधान)**

श्री सभापति: आप बैठिये। मुझे देखने दीजिये, क्या पूछ रहे हैं या क्या नहीं पूछ रहे हैं **(व्यवधान)**

श्री सीता राम केसरी : सभापति महोदय, मेरा आपसे निवेदन यह है **(व्यवधान)**

श्री सभापति: आप बैठिये।

SHRI MAKHAN LAL FOTEDAR: Sir, let Mr. Sitaram Kesri say something. There is some wisdom in it.

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया : सभापति महोदय, मेरा सवाल सीधा है कि ये किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ मुकदमा चलाना चाहते हैं या यही कानून पूरे हिंदुस्तान के सब उद्योगपतियों के खिलाफ लागू होगा जिन्होंने कारखाने बंद किये हैं और उनको पहले इललीगल घोषित करें इसके लिए नोटिस दिया है या नहीं दिया है। दूसरा, इस सम्राट साइकिल ने किस संस्था से लोन लिया था ? वह यू०पी०एस.एफ०सी० का लोन था, यू०पी०आई०डी०सी० से लोन लिया था या बैंकों का लोन था। इनको अटैच करने के लिए जो कम्पनी का फर्स्ट चार्ज था वह किसके साथ मार्टगेज है, यह जानने की मेरी इच्छा है।

श्री रामविलास पासवान: सभापति जी, मेरा यह दावा है कि किसी भी पक्ष के सदस्य हों जिन्होंने भी श्रम मंत्री की हैसियत से मुझसे मिलने का काम किया है या मेरे पास जो मेमोरेंडम्स आते हैं मै उसी दिन, उसी वक्त कार्यवाही करता हूं। मजदूरों के हक की रक्षा करना श्रम मंत्री की हैसियत से मेरा फर्ज बनता है और इसको मैं निभाता हूं। किसी भी पार्टी का कोई सदस्य यह एलीगेशन नहीं लगा सकता है कि मैं रामविलास पासवान के पास गया और इमीडियेट उसके ऊपर कार्यवाही नहीं की गयी। हमारे जिम्मे जितना है श्रम मंत्री की हैसियत से, मैंने कहा कि उसका पालन करना राज्य सरकार का काम है। मैंने बतलाया कि राज्य सरकार ने मुझको बतलाया है कि उस सम्राट बाइसिकिल फैक्ट्री पर 40 करोड़ का बकाया है। कहां से कितना लोन लिया गया यदि यह माननीय सदस्य चाहते हैं तो मैं उनको फर्निश कर दूंगा... **(व्यवधान)**

मैंने कहा कि जितने हमारी नालेज में आयेंगे, आप सूचना दीजिये मैं सब पर कार्यवाही करूंगा।

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया : सरकार इक्टठी करे मैं क्यों दूं।

श्रीमती कमला सिन्हा : सभापति महोदय, इस देश में इन्होंने कहा कि ढाई लाख कल कारखाने बंद पड़े हैं और इन्होंने सम्राट बाईसिकिल के मालिकों के ऊपर कार्यवाही की है। मैं आपके माध्यम से सरकार से यह जानना चाहती हूं कि जितने कल कारखाने बंद पड़े हैं क्या सरकार नीतिगत तौर पर यह फैसला करेगी कि एक जगह बंद करके दूसरी जगह कारखाने वे ही मालिक अगर लगायें, सरकारी वित्तीय संस्थाओं से, सरकार से कर्ज लेकर, तो उस पर क्या सरकार रोक लगायेगी और ऐसे मालिकों पर कार्यवाही करेगी ?

श्री रामविलास पासवान : महोदय, मैंने कहा कि हमारे सामने जहां कहीं से भी सूचना आ रही है हम सबके

खिलाफ कार्यवाही करते हैं और मैं माननीय सदस्यों से अनुरोध करूंगा कि उनके पास भी यदि इस तरह की सूचना हो--क्योंकि हम सब पर एक साथ खोल नहीं सकते, सरकार की लाचारी है--जिनके पास भी सूचना हो, वे भेज दें, जहां-जहां से अनियमितता की खबर आयेगी, हम उसकी जांच करवायेंगे

श्री शंकर दयाल सिंह: सबसे बड़ी रोहतास नगर डालमिया इंडस्ट्री है, उसी पर पहले कार्यवाही कीजिए।

62. [*The questioner* (Shri Ram *Jethmalani*) *was absent. For answer* vide *Col.* 42 *infra*]

*63. [*The questioner* (*Shri Talari Manohar*) *was absent. For answer*, vide *Col.* 43 *infra*].

Use of Diesel Oil in Electric Trains

*64. SHRI VIREN J. SHAH:

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE:†

will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to a report which appeared in the *Hindustan Times*, dated the 20th April, 1990, to the effect that diesel oil is used for internal power supply of trains, even when those trains run on fully electrified routes and that electric power could be tapped from the overhead wires with suitable adjustments; if so, the names of all such trains and the annual cost of diesel oil that each one of them consumed; and

(b) whether any estimate has been made of the average cost of pilferage of diesel oil each year during the last three years if so, the details thereof; and if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI GEORGE FERNANDES): (a) and (b) A statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) Yes, Sir, diesel oil is used for internal power supply on six trains in fully electrified routes because of non-availability of technology to tap OHE power for this purpose presently. The details of trains and approximate annual cost of diesel oil may be seen below:—

S. No.	Train Name	Approximate cost of Diesel oil (in Rs.)
1.	Deccan Queen Express	1,64,500/-
2.	Jhansi–Itarsi Passenger	1,61,000/-
3.	Howrah–Delhi Rajdhani Express	28,29,234/-
4.	Delhi–Bhopal Shatabadi Express	9,02,135/-
5.	Adra–Asansol–Purlia Passenger	95,386/-
6.	Bombay–Delhi Rajdhani Express	34,15,305/-

* The question was actually asked on the floor of the House by Shri Viren J. Shah.